भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

80वें

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर अध्यक्ष का संदेश

स्वतंत्र भारत की यात्रा, आशा, बदलाव और दृढ़ संकल्प की गाथा है। 80वें स्वतंत्रता दिवस के विशेष अवसर पर, मैं पूरे भाविप्रा परिवार को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ। इस अहम पड़ाव का जश्न मनाते हुए, आइए हम अपने देश की मज़बूती, विकास और एकता का उत्सव मनाएँ। माननीय प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत@2047' के विज़न से प्रेरित होकर, भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में मज़बूती से आगे बढ़ रहा है।

विकसित भारत का उद्देश्य एक ऐसे समृद्ध राष्ट्र की संकल्पना है जो अत्याधुनिक अवसंरचना, तकनीकी प्रगति, संधारणीयता और एक समान अवसरों से सशक्त हो। इस यात्रा में, नागर विमानन प्रगति के एक मुख्य आधारस्तंभ के रूप पर खड़ा है, जो संपर्कता और आर्थिक विकास को बढ़ावा दे रहा है। प्रचालनात्मक हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 से बढ़कर आज 166 से अधिक हो गई है, जो इस सेक्टर में आए अभूतपूर्व परिवर्तन को दर्शाता है। सबसे बड़े हवाई अड्डा प्रचालक और वायु दिक्चालन सेवाओं के एकमात्र प्रदाता के तौर पर, भाविप्रा भारत की विमानन अवसंरचना को मज़बूत करने और सुरक्षित, निर्बाध और दक्ष वायु संपर्कता को सक्षम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, मैं भाविप्रा के संपूर्ण परिवार को उनकी निरंतर प्रतिबद्धता और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देता हूँ। भाविप्रा ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान ₹6,522 करोड़ का 'प्रॉफिट आफ्टर टैक्स' (कर पश्चात् लाभ) दर्ज किया है, जो संगठन के लगातार शानदार वित्तीय प्रदर्शन और प्रचालन दक्षता को दर्शाता है।

इस वर्ष के दौरान, भाविप्रा ने देश भर में प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं पर कार्य जारी रखा। जोधपुर हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन हवाई अड्डा की क्षमता और यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक और अहम कदम था। विजयवाड़ा हवाई अड्डे पर नए एटीसी एवं तकनीकी ब्लॉक के उद्घाटन ने वायु यातायात प्रबंधन अवसंरचना को और मजबूत किया है, जिससे सुरक्षित, दक्ष और निर्बाध वायु दिक्चालन सेवाएं सुनिश्चित होती हैं। ये पहल विमानन क्षेत्र की बढ़ती आवश्यकताओं के अनुसार हवाई अड्डा अवसंरचना को आधुनिक बनाने और प्रचालन क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए भाविप्रा के सतत् प्रयासों का एक भाग हैं।

भारत के विमानन क्षेत्र के विकास में क्षेत्रीय वायु संपर्कता एक मुख्य प्राथमिकता बनी हुई है।'क्षेत्रीय संपर्कता योजना-उड़ान' के अगले चरण में, अगले दस वर्षों में लगभग ₹29,000 करोड़ का निवेश किया जाएगा। इससे देश के उन क्षेत्रों में संपर्कता और बेहतर होगी जहाँ अभी सुविधाएँ कम हैं या बिलकुल नहीं हैं। जैसे-जैसे विमानन क्षेत्र का विस्तार हो रहा है, देश में पायलट प्रशिक्षण प्रणाली को सुदृढ़ता प्रदान करना भी उतना ही आवश्यक है। सात हवाई अड्डों पर 11 उड़ान प्रशिक्षण संगठनों (FTOs) को 'आशय पत्र' (Letter of Intent) प्रदान करना, पायलट प्रशिक्षण की क्षमता बढ़ाने और दक्ष विमानन व्यावसायिकों की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाना भाविप्रा के लिए सदैव से मुख्य प्राथमिकता रही है। 'यात्री सुविधा दिवस' का आयोजन करके हमने यात्री सेवाओं को लगातार बेहतर बनाने और यात्रियों की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के अपने संकल्प की पुनरावृत्ति की है। भाविप्रा के 24 हवाई अड्डों के बढ़ते नेटवर्क पर चल रही 'डिजीयात्रा' सुविधा यात्रियों की प्रक्रिया को आसान, कॉन्टैक्टलेस और पेपरलेस बना रही है जिससे हवाई अड्डे पर प्रक्रिया में लगने वाला समय की बचत हो रही है। साथ ही, भाविप्रा के 18 हवाई अड्डों पर शुरू किए गए 'उड़ान यात्री कैफ़े' यात्रियों को किफायती और स्वच्छ आहार उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे समावेशी और यात्री-केंद्रित हवाई यात्रा को और बढ़ावा मिल रहा है।

सरकार के स्वच्छतापूर्ण और हरित भविष्य के उद्देश्य के अनुरूप, भाविप्रा अपने 'सस्टेनेबल ग्रीन एयरपोर्ट्स मिशन (SUGAM) को आगे बढ़ा रहा है। आज, भाविप्रा के 99 हवाई अड्डे 100% हरित ऊर्जा पर चल रहे हैं, जो पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हवाई अड्डा प्रचालन के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जैसे-जैसे हम अपनी अवसंरचनाओं का विस्तार कर रहे हैं, सुदृढ़ और भविष्य के लिए तैयार विमानन अवंसरचना बनाने के हमारे उद्देश्य में संधारणीयता अभिन्न अंग बना रहेगा।

वाराणसी और अमृतसर में 'हब-एंड-स्पोक' मॉडल शुरू होने से वैश्विक विमानन के क्षेत्र में भारत की संपर्कता और मज़बूत हुई है। इन हवाई अड्डों को 'हब-एंड-स्पोक' प्रणाली से जोड़ने पर अंतरराज्जीय और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के बीच आसानी से आवागमन संभव होगा, यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी और पर्यटन, व्यापार और आर्थिक विकास के नए अवसर सृजित होंगे। ऐसी पहल से एक उभरते हुए वैश्विक विमानन हब के रूप पर भारत की स्थिति और सुदृढ़ होगी।

यह मानते हुए कि संगठन के सतत् विकास के लिए जनशक्ति पूंजी अत्यंत आवश्यक है, भाविप्रा नेतृत्वकर्ता विकास और क्षमता निर्माण में निवेश करना जारी रखे हुए है। नेतृत्वकर्ता विकास कार्यक्रम और आई आई एम बेंगलुरु, आई आई एम इंदौर व आई आई एम लखनऊ के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना, भावी नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने और संगठन में प्रबंधन की क्षमताओं को मज़बूत करने के हमारे संकल्प को परिलक्षित करता है।

'हर घर तिरंगा 2026' अभियान के अंतर्गत, भाविप्रा के हवाई अड्डे देश के साथ मिलकर देशभक्ति, एकता और देश पर गर्व की भावना का जश्न मना रहे हैं। इसके लिए वे यात्रियों, कर्मचारियों और हवाई अड्डों से जुड़े लोगों को राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित कर रहे हैं।

आइए, हम सब मिलकर अपने कार्य के प्रत्येक क्षेत्र में सुरक्षा, ईमानदारी, व्यावसायिकता, नई पहल और उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने और देश की निरंतर प्रगति में योगदान देने का संकल्प लें। भाविप्रा परिवार के सामूहिक समर्पण के साथ, आइए हम भारत की विमानन अवसंरचना को मजबूत बनाने,संपर्कता का विस्तार करने, यात्रियों के अनुभव को बेहतर करने एवं 'विकसित भारत@2047' के उद्देश्य में सार्थक योगदान देना जारी रखने का संकल्प लें।

जय हिन्द !

विपिन कुमार

विपिन कुमार
अध्यक्ष, भा.वि.प्रा.